संस्थान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में केन्द्र सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, रक्षा, केन्द्रीय विद्यालयों अन्य विभागों में राजभाषा के प्रयोग को बढावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए नराकास-2 की बैठक 19 अगस्त 2020 को आन लाईन विडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित हुई । नराकास के अध्यक्ष एवं संस्थान निदेशक डा. ओ.पी. यादव ने कार्यालय प्रमुखों एवं हिन्दी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी भाषा की प्रगति हमारे देश की प्रगति से जुड़ी है। नराकास केन्द्रीय विभागों का संयुक्त मंच है जिसमें सभी मिल बैठकर राजभाषा को बढावा देने के कार्यनीति पर चर्चा होती है। उन्होंनें प्राप्त रिर्पोट का मूल्यांकन पर चर्चा करते हुए कहा कि जिन विभागों में हिन्दी के पद रिक्त उन्हें शीध्र भरने की आवश्यकता है। कुछ विभागों ने कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाने हेतु आग्रह किया है इस दिशा में प्रशिक्षण आयोजित किया जाय ताकि उनकी कौशलता बढे। पिछली बैठक में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उन सभी पर आवश्यक कार्यवाही हुई है जो कि प्रशंसनीय है। विभिन्न विभागों में नामपट्ट सूचनापट्ट रबड़ की मोहरे हिन्दी तथा द्विभाषी है जो कि सराहनीय है। कई विभागों में हिन्दी में कार्य की प्रतिशतता में वृद्धि हुई है। उन्होsने कहा कि पहले हम सोचते थे कि आन लाईन मीटिंग होनी चाहिए और आज वक्त की नजाकत ने आन लाईन बैठक के लिए सभी को प्रेरित किया। इससे समय एवं खर्च तथा श्रम की बचत होती है। आधुनिक संचार तकनीक के माध्यम से कई लोग एक साथ जुड़े है। सूचनाओं का आदान प्रदान भी शीघ्रता से होता है।

संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं हिन्दी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डा. पी.सी. महाराना ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सभी विभागों में हिन्दी में पत्र पत्रिकाओं के प्रकाशन करने पर बल देना चाहिए। एनआईआईआरएनडी के निदेशक जीएस टोटेजा, आफरी, के सहायक निदेशक(राजभाषा) कैलाश चन्द्र गुप्ता, भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस की हिन्दी अधिकारी शबनम, केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य एमआर रावल, जेडएसआई के डा. संजीव कुमार एवं अन्य अधिकारियों ने अपने सुझाव बैठक के दौरान रखें। काजरी के कार्यवाहक हिन्दी अधिकारी बहादुर सिंह सांखला ने पूर्व में आयोजित बैठक की कार्यवाही रिर्पोट प्रस्तुत की तथा बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों को प्रस्तुत किया। डा. पी.सी. महाराना ने नराकास के अध्यक्ष डा. ओ.पी. यादव एंव अन्य विभागों के अधिकारियों को नराकास बैठक में भाग लेने एवं सहयोग करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।